निस्कार्ट फादर एग्नल वैशाली ,

हिंदी अभ्यास पत्रिका १८-२०१७-

माह - कक्षा ,दिसबंर -6

प्रश्न 1निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

तप का अर्थ गृह , पुस्तको में , धूप में , चाहे वह अग्नि में | तपने में महान कष्ट होता है | 'तपना' कार्यो या व्यापारों आदि किसी में तपना जो तप एक महान साघना जिसमे महान सतना है जिसमें | वाणी एवं शरीर तीनों को , किसी भी क्रिया को करने के लिए मन | महान कष्ट उठाने पड़ते है वह बड़े गौरव के | जो व्यक्ति सत्य भाषण करता है उसका हृदय प्रबल रहता है | लगाना पड़ता है साथ अपनी बात कहा सकता है वे | किन्तु असत्य भाषण करने वालो की आत्मा निर्बल रहती है ; परन्तु वह ; सनातन धर्म भी यही है की हम सत्य बोले | सर्वदा संकोचमय एवं भयभीत रहती है चरित् , साहस , औदार्य , मनुष्य में विनय | अप्रिय सत्य भी नही बोलना चाहिए , सत्य प्रिय होर बल आदि गुणों का विकास सत्य मार्ग पर पद रखने से होता है साँच बराबर ताप ' सूक्तिकार ने | जीवन में कठिन कार्यो की सिद्धि बिना सत्य के | सूक्ति में तप की सिद्धि को ही सत्य कहा है 'नहीं सत् | सूक्तिकार के स्थान में झूठ पाप की श्रेणी में आता है | जो ही नही सकतीयनिष्ठ व्यक्ति संसार में अमर हो जाते है और स्वर्ग के अधिकारी होते है |

(क) तपना को साधना क्यों कहा गया है ?

(ख) तप किसे कहेंगे और क्यों ?

(ग) सित तथा असत्य बोलने में क्या अंतर होता है ?

(घ) सत्य मार्ग पर पैर रखने से क्या होता है ?

(ङ) सूक्तिकार शब्द से प्रत्यय अलग कीजिए और उसी प्रत्यय से एक नया शब्द बनाइए |

प्रश्न | दिए गए चित्र को देखकर उसका वर्णन कीजिए - 2

प्रश्न 3- निम्नलिखित विषय पर संवाद लिखिए |

| जनसख्या नियंत्रण पर दो छात्रों के मध्य संवाद 1

| परिवार के साथ होटल में हुए व्रतांत को संवाद के रूप में लिखिए 2

प्रश्न 4 -दिए गए विषय पर अनुच्छेद लिखिए |

- नैतिकता का गिरता स्तर
- प्रतियोगिता का महत्त्व

काव्यांश

प्रश्न 5निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

जिस–जिससे पथ पर स्नेह मिला उस–उस राही को धन्यवाद।
जीवन अस्थिर, अनजाने ही हो जाता पथ पर मेल नहीं
सीमित पग–डग, लंबी मंजिल तय कर लेना कुछ खेल नहीं
दाएँ–बाँए सुख–दुख चलते सम्मुख चलता पथ का प्रमाद
जिस–जिससे पथ पर स्नेह मिला उस–उस राही को धन्यवाद।
जो साथ न मेरा दे पाए उनसे कब सूनी हुई डगर
मैं भी न चलूँ यदि तो भी क्या राही मर, लेकिन राह अमर
इस पथ पर वे ही चलते हैं जो चलने का पा गए स्वाद
जिस–जिससे पथ स्नेह मिला उस–उस राही को धन्यवाद।

| कवि के अनुसार जीवन कैसा है 1

? जीवन रूपी यात्रा में अनुभव कैसे आते है 2

जीवन 3रूपी डगर पर कौन चलते है ?

? कवि किसको धन्यवाद करता है 4

? इस पद्यांश के लिए उचित शीर्षक चुनिए 5

नौकर

- गाँधी जी इतना पैदल क्यों चलते थेआप प्रतिदन कितना ?पैदल चलने के क्या लाभ हैं ? | पैदल चलते हो बताओ
- गाँधी जी की तरह क्या आपने अपनी दादी या नानी को घर में गेहूँ पीसते देखा हैअगर ? ?देखा है तो कब
- नौकरों के विषय में गाँधी जी के क्या विचार थे| लिखिए ?
- गाँधी जी को अनाज साफ़ करते देखकर मिलने वाले आश्चर्य में क्यों पड़ जाते थे?
- अगर आपको अपने भाईबहन के जन्मदिवस पर रसोई घर का कम सौंप दिया जाए तो - भोजन की स्वच्छता और पौष्टिकता पर आप ध्यान किस तरह देंगे?
- कस्तूरबा ने गाँधी जी से बर्तन साफ़ करने के काम को कैसे मना करवाया?
- गाँधी जी ने शिविर में जब खाखरा बनाने की विधि बताई उस समय उनकी उम्र कितनी थी?

वन के मार्ग में

- इस सवैयों से आपको क्या संदेश मिला?
- इस सवैयों से आपने जो भी सीखा उसकी आपके जीवन में क्या उपयोगिता है ?
- इस सवैयों की आपको सबसे अच्छी पंक्तियाँ कौन-सी लगी और क्यों?
- राम जी और सीता जी के जीवन से आपने क्या सीखा?
- नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने के बाद सीता जी की क्या दशा हुई?
- राम ने थकी हुई सीता की क्या मदद की?
- पाठ के आधार पर वन के मार्ग का वर्णन करो |
- सवैयों में '?पर्णकुटी कहाँ बनाएँगे ?अब और कितनी दूर चलना है'ऐसा क्यों कहा गया है ?
- श्री राम का मूक प्रेम देखकर सीता की क्या दशा हुई| अपना शब्दों में बयां करो ?
- पर्णकुटी किस चीज़ से बनती है| बताओ ?
- इन सवैयों में कवि ने किस बात पर सबसे ज्यादा ज़ोर दिया है |
- दोनों सवैयों के प्रसंगों में अंतर स्पष्ट करें |
- '?अब कितनी दूर चलना है'यह पंक्तियाँ किसने कही?और क्यों ?किससे कहीं ?
- सवैयों का मूल सन्देश क्या है ?
- राम की आँखों से आँसू क्यों बह निकले?

उपसर्ग और प्रत्यय

- निम्नलिखित उपसर्गों से तीन | तीन शब्द बनाइये-
  अभि बिन , उत ,

- निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग और मूल शब्द अलग : अलग कीजिए-
  अपशब्द अपकार , हमउम्र ,

- निम्नलिखित प्रत्ययो से तीन : तीन शब्द बनाइये-
  बाला आवट , पूर्वक ,

- निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय अलग : अलग कीजिए-
- थकावट डिबिया , नकली ,
- कलाकार | कलाकार में स्थित प्रत्यय अलग कीजिए , दुकानदार ,
- इस | आहत से शब्द बनाइए ,